वर्ष 2017-2018 के लिए
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के क्रियाकलापों की समीक्षा

भारतीय सांख्यिकीय संस्थान,कोलकाता की स्थापना दिनांक 17 दिसंबर,1931 को की गई तथा दिनांक 28 अप्रैल,1932 को इसका रजिस्ट्रीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1860 का XXI) के अधीन एक अलाभकारी प्रज्ञ सोसाइटी के रूप में किया गया और तत्पश्चात् यह पश्चिम बंगाल सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1961 का XXVI) के, जिसका संशोधन 1964 में किया गया, दायरे में आया। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय कार्य की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए संस्थान को 24 दिसंबर 1959 को संसद के भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम, 1959 (1959 का 57) द्वारा "राष्ट्रीय महत्व के संस्थान" के रूप में मान्यता दी गई। इस अधिनियम के आधार पर संस्थान को सांख्यिकी, गणित; मात्रात्मक अर्थशास्त्र; कंप्यूटर विज्ञान तथा समय-समय पर संस्थान द्वारा निर्धारित सांख्यिकी से संबंधित अन्य विषयों में डिग्री/डिप्लोमा प्रदान करने के लिए सशक्त किया गया। संस्थान, उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में काफी उच्च स्तर को बनाए रखकर सरकार के पूर्ण सहयोग से कई परियोजनाओं के माध्यम से शोध, प्रशिक्षण एवं सांख्यिकी के व्यावहारिक अनुप्रयोग एवं अंतःविषयक अध्ययनों के एकीकृत कार्यक्रम में संलग्न है जिसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में संस्थान ने कई राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मान्यताएं अर्जित की हैं ।

2. संस्थान के उद्देश्य हैं :

(i) सांख्यिकी के अध्ययन को बढ़ावा देना और उसके ज्ञान का प्रसार करना, सांख्यिकीय सिद्धान्त और विधि एवं उसके उपयोग को सामान्यत: अनुसंधान तथा व्यावहारिक अनुप्रयोग और विशेषत: राष्ट्रीय विकास एवं समाज कल्याण के लिए योजना बनाने में आनेवाली समस्याओं के निराकरण हेतु बढ़ाना,

(ii) प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करना जिससे कि सांख्यिकी और इन विज्ञान का परस्पर विकास हो सके ।

(iii) योजना बनाने एवं प्रबंधन और उत्पादन की क्षमता में सुधार लाने के प्रयोजनार्थ सूचना का संग्रहण, अन्वेषण, परियोजनामूलक एवं संक्रियात्मक अनुसंधान करना तथा उसके लिए प्रबंध करना ।

(iv) उपर्युक्त (i), (ii) एवं (iii) में वर्णित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कोई अन्य अनुषंगी कार्य करना ।

3. संस्थान का मुख्यालय कोलकाता में और चार अन्य केंद्र दिल्ली, बेंगलूर, चेन्नई एवं पूर्वोत्तर केंद्र तेजपुर, असम में है। संस्थान की एक शाखा गिरिडीह में भी है तथा सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान प्रभाग की सेवा यूनिटों का नेटवर्क मुंबई, कोयंबटूर, पुणे, और हैदराबाद के अलावा देश भर मेँ यानी कोलकाता, दिल्ली, बेंगलूर एवं चेन्नई में है ।

4. जैसा कि भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम, 1959 (1959 का 57) में उल्लिखित है, संस्थान पूरी तरह भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है। आंतरिक प्राप्तियों की अधिकांश राशि प्रवेश हेतु आवेदन शुल्क, लाइसेन्स शुल्क मद्धे स्टाफ से की गई वसूली, बाह्य वित्तपोषित परियोजनाओं से ओवरहेड प्रभार के अंश, संस्थान के संकाय द्वारा दिए गए परामर्श की फीस आदि से आती है ।

5. संस्थान के 2017-18 के लेखे की लेखा-परीक्षा मेसर्स एस°के° मल्लिक एवं कं°,सनदी लेखाकार, कोलकाता द्वारा की गई है जिनकी नियुक्ति इस प्रयोजनार्थ भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम,1959 (1959 का 57) की धारा 6(1) में यथा अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, भारत एवं संस्थान के परामर्श से भारत सरकार द्वारा चयन किए जाने के पश्चात् संस्थान द्वारा की गई।

6. किसी विशेष वर्ष में किए जानेवाले कार्य के लिए कार्यक्रम, उसके वित्तीय आकलन एवं उस प्रयोजनार्थ सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा दिए जानेवाले अनुदान की प्रमात्रा के संबंध में निर्णय भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम,1959 (1959 का 57) की धारा 8(1)के अधीन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा गठित समिति की अनुशंसा के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है। उक्त समिति में प्रख्यात अर्थशास्त्री तथा वैज्ञानिक एवं भारत सरकार, यथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय एवं वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि होते हैं । कार्य के कार्यक्रम और वर्ष 2017-2018 के लिए व्यय प्राक्कलन/अनुदान का निर्धारण तदनुसार उपर्युक्त समिति की अनुशंसा के आधार पर किया गया। वर्ष 2017-2018 के दौरान, समिति ने वेतन हेड के तहत रुपये 25284.98 लाख 'संपत्ति के निर्माण के तहत' 18182.74 लाख रुपये और जनरल हेड (बीई) के तहत रुपये 3636.35 लाख की सिफारिश की। सरकार ने वेतन, पूंजी और सामान्य व्यय के लिए क्रमशः रुपये 20398.00 लाख, रुपये 4867.00 लाख और रुपये 2950.00 लाख की मंजूरी दे दी है। संशोधित अनुमान चरण में, संस्थान ने क्रमश: वेतन, पूंजी और सामान्य के तहत क्रमश: रुपये 3067.00 लाख, रुपये 6667.00 लाख और रुपये 4090.00 लाख के अनुदान की मांग की, जिसे धारा 8(1) समिति द्वारा भी अनुशंसित किया गया था। सरकार ने वेतन, पूंजी और सामान्य प्रमुखों के तहत बीई स्तर के बराबर अनुदान मंजूर किया। मंत्रालय और विविध रसीद द्वारा आवंटित निधि से राजस्व व्यय रुपये 954.75 लाख था। पूंजीगत व्यय आवंटित निधि से रुपये 303.69 लाख कम था।

7. वर्ष के दौरान संस्थान ने विद्यार्थियों के लिए नियमित एवं वृत्तिक पाठ्यक्रम का संचालन जारी रखा जिसके अंत में उन्हें सांख्यिकी स्नातक (प्रतिष्ठा); गणित स्नातक(प्रतिष्ठा); सांख्यिकी निष्णात, गणित निष्णात, मात्रात्मक अर्थशास्त्र में विज्ञान निष्णात (एम° एस°); कंप्यूटर विज्ञान में प्रौद्योगिकी निष्णात; गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं संक्रियात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी निष्णात, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में विज्ञान निष्णात, सांख्यिकीय विधि एवं वैश्लेषिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, व्यवसाय वैश्लेषिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा,सांख्यिकी, गणित, मात्रात्मक अर्थशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं संक्रियात्मक अनुसंधान,भौतिकी, कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान, भूविज्ञान,भाषा विज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान में अनुसंधान अध्येतावृत्ति प्रदान की गयी।

8. संस्थान, यूनेस्को एवं भारत सरकार के तत्वावधान में कोलकाता में एक सहयोगी संस्थान अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय शिक्षा केंद्र (आईएसईसी) चलाता है। यह केंद्र मध्य-पूर्व के देशों, दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया, सुदूर पूर्व एवं अफ्रीका के कॉमनवेल्थ देशों से चयनित प्रतिभागियों को विभिन्न स्तरों पर सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस केंद्र द्वारा प्रदान किया जानेवाला बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम सांख्यिकी में 10 महीने का नियमित पाठ्यक्रम है जिसके अंत में सांख्यिकीय प्रशिक्षण में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त,विभिन्न अवधि के विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए । वर्ष के दौरान आईएसईसी ने सफलतापूर्वक नियमित पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का 71वां सत्र पूरा किया जिसमें ग्यारह विभिन्न देशों,यथा भूटान , कंबोडिया फ़िजी, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, नाइजर, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण सूडान, श्रीलंका एवं तंज़ानिया से 25 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा सांख्यिकीय प्रशिक्षण में डिप्लोमा प्रदान किया गया।

9. आर.सी.बोस क्रिप्टोलॉजी एवं सुरक्षा केंद्र कोलकाता में भारतीय सांख्यिकीय संस्थान का एक नया केंद्र है। इसका उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान के साथ-साथ क्रिप्टोलॉजी और साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण और विकास के आगे गणित, कंप्यूटर विज्ञान और सांख्यिकी में अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों के महत्वपूर्ण द्रव्यमान को तैयार करने के लिए केंद्र सभी क्रिप्टोग्राफिक आवश्यकताओं, अत्याधुनिक अनुसंधान गतिविधियों और प्रासंगिक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। पिछले वर्षों की तरह, 2017-18 में केंद्र ने सशस्त्र बलों, डीआरडीओ, पुलिस संगठनों और सुरक्षा एजेंसियों के विभिन्न स्कंधो को दिशा और सलाह प्रदान की है। क्रिप्टोलॉजी और डेटा सिक्योरिटी में एक नया सर्टिफिकेट कोर्स इस वर्ष विशेष रूप से रक्षा कार्मिकों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस साल के पाठ्यक्रम में विभिन्न रक्षा सेवाओं के कुल 13 अधिकारी नामांकित हैं। सैमसंग, नेटटैप इंक, सिस्को सिस्टम्स इंक आदि द्वारा वित्त पोषित कई बाहरी वित्त

पोषित परियोजनाएं भी इस साल की गईं। राष्ट्रीय स्तर पर क्षमता निर्माण के हिस्से के रूप में, केंद्र ने देश के प्रमुख संस्थानों के वरिष्ठ स्नातक और नए स्नातकोत्तर छात्रों को क्रिप्टोलॉजी और सुरक्षा में समर्पित अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रदान किया है।

10. वर्ष 2004 में स्थापित सहयोगी संस्थान,"सॉफ्ट कंप्यूटिंग अनुसंधान केंद्र : राष्ट्रीय दक्षता" का वित्तपोषण मुख्यत: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा आईआरएचपीए (उच्च प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र में गहन अनुसंधान) योजना के अधीन किया जाता है। केंद्र का उद्देश्य सॉफ्ट कंप्यूटिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानक के सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त दोनों अनुसंधान करने का है।

11. वर्ष 2017-2018 की वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा सैद्धांतिक सांख्यिकी एवं गणित प्रभाग; अनुप्रयुक्त सांख्यिकी प्रभाग; कंप्यूटर एवं संचार विज्ञान प्रभाग; भौतिकी एवं पृथ्वी विज्ञान प्रभाग; जैविक विज्ञान प्रभाग; सामाजिक विज्ञान प्रभाग; सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान (एसक्यूसी एंड ओआर) प्रभाग तथा पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विज्ञान प्रभाग में किए गए अनुसंधान कार्य का ब्योरा दिया गया है । प्रत्येक प्रभाग के संघटन का उल्लेख नीचे किया गया है :

सैद्धांतिक सांख्यिकी एवं गणित प्रभाग : कोलकाता, दिल्ली, बेंगलूर एवं चेन्नई में सांख्यिकी-गणित यूनिट ।

अनुप्रयुक्त सांख्यिकी प्रभाग : कोलकाता और चेन्नै में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी यूनिट, कोलकाता में अंत:विषय सांख्यिकीय अनुसंधान यूनिट तथा पूर्वोत्तर केंद्र, तेजपुर में अनुप्रयुक्त एवं साधिकारिक सांख्यिकी यूनिट ।

कंप्यूटर एवं संचार विज्ञान प्रभाग : कोलकाता में उन्नत कंप्यूटिंग एवं माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट, कंप्यूटर जन एवं प्रतिमान पहचान यूनिट, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विज्ञान यूनिट, मशीन आसूचना यूनिट; क्रिप्टोलॉजी एवं सुरक्षा अनुसंधान यूनिट; बेंगलूर में प्रलेखन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिस्टम विज्ञान एवं सूचना विज्ञान यूनिट तथा चेन्नै में कंप्यूटर विज्ञान यूनिट ।

भौतिकी एवं पृथ्वी विज्ञान प्रभाग : कोलकाता में भूवैज्ञानिक अध्ययन यूनिट और भौतिकी एवं अनुप्रयुक्त गणित यूनिट ।

जैविक विज्ञान प्रभाग : कोलकाता में कृषि एवं पारिस्थितिकी अनुसंधान यूनिट, जैविक मानव विज्ञान यूनिट तथा मानव आनुवंशिकी यूनिट ।

सामाजिक विज्ञान प्रभाग : कोलकाता में अर्थशास्त्रीय अनुसंधान यूनिट, भाषावैज्ञानिक अनुसंधान यूनिट, जनसंख्या अध्ययन यूनिट, मनोविज्ञान अनुसंधान यूनिट, प्रतिचयन एवं साधिकारिक सांख्यिकी यूनिट; कोलकाता एवं गिरिडीह में समाजवैज्ञानिक अनुसंधान यूनिट; बेंगलूर में अर्थशास्त्रीय विश्लेषण यूनिट तथा दिल्ली में अर्थशास्त्रीय आयोजना यूनिट।

सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान (एसक्यूसी एंड ओआर) प्रभाग : बेंगलूर, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे में तथा कोलकाता में एक केंद्रीय एसक्यूसी (सीएसक्यूसी) कार्यालय।

पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विज्ञान प्रभाग: कोलकाता,चेन्नई,दिल्ली,बेंगलूर एवं तेजपुर में केंद्रीय पुस्तकालय।

एक कंप्यूटर एवं सांख्यिकीय सेवा केंद्र (सीएसएससी) भी है जो भारतीय सांख्यिकीय संस्थान,कोलकाता की केंद्रीय कंप्यूटिंग सुविधाओं का प्रबंध करता है । सीएसएससी द्वारा वर्ष भर संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना को उन्नत एवं विकसित किया गया। बहिर्वर्ती केंद्र (दिल्ली, चेन्नई, तेजपुर और बेंगलुरू) और संस्थान के गिरिडीह यूनिट साइट-टू-साइट वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) से जुड़े हुए हैं। सर्वर वर्चुअलाइजेशन (क्लाउड), सॉफ्टवेयर (वीएमवेयर, ईएसएक्सआई एवं वीसेंटर, मैटलैब, मैथेमेटिका, आर्कजिस, आर आदि), नेटवर्क (वायर्ड एवं वाईफाई), नेटवर्क और इंटरनेट सुरक्षा, आईपी टेलीफोन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा,ई-लाइब्रेरी और इंटरनेट सुविधाओं (एनकेएन - 1 जीबीपीएस) सहित संस्थान के आईटी बुनियादी ढांचे का प्रबंध सीएसएससी द्वारा किया गया और लैन के रूप में संस्थान के सभी केन्द्रों द्वारा उनका इस्तेमाल किया गया। सीएसएससी द्वारा वर्ष भर वीडियो कॉन्फरेंसिंग सुविधाओं के जरिए कक्षाओं का (कंप्यूटर विज्ञान में एम°टेक° और आईएसआई तेजपुर में पीजीडीएसएमए) आयोजन किया गया। आईएसआई कोलकाता में स्थापित लेखांकन पैकेज फ़ैक्ट के सर्वर को संस्थान के केंद्रीय लेखा प्रणाली को बनाए रखने के लिए साइट-टू-साइट वीपीएन कनेक्शन के माध्यम से सभी बाहरी केंद्रों और यूनिटों से उपयोग किया गया था। सीएसएससी द्वारा प्रशिक्षित कंप्यूटर प्रशिक्षुओं द्वारा संस्थान को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सीएसएससी ने की । सीएसएससी के सदस्यों ने संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों को पढ़ाने और एमसीए, बी टेक आदि का अध्ययन करने वाले गैर-आईएसआई छात्रों की परियोजना के पर्यवेक्षण में भाग लिया।

12. <u>बाह्य वित्तपोषित परियोजना</u>

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक योजना अनुसंधान के अतिरिक्त संस्थान ने निम्नलिखित सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की लगभग एक सौ तेरह विविध बाह्य वित्तपोषित परियोजनाओं पर कार्य किया यथा - यूरोपीयन आयोग; उन्नत अनुसंधान संवर्धन हेतु इंडो-फ्रेंच केंद्र; जर्मन शिक्षा मंत्रालय; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत-ताइवान संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम; एडवांस्ड सिस्टम्स लैब हैदराबाद, डीआरडीओ; बीएआरसी, परमाणु ऊर्जा विभाग; रक्षा मंत्रालय; परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड; जैव प्रौद्योगिकी विभाग; विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी; डीजीसीआई एंड एस, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय; इसरो-चंद्रयान; नौसेना आर्म निरीक्षण (डब्ल्यू) के नियंत्रक; पर्यटन मंत्रालय; प्रैक्टिकल ट्रेनिंग बोर्ड (ईआर), मानव संसाधन विकास मंत्रालय; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (विश्वेश्वर योजना); भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण; भारतीय रिजर्व बैंक; भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण; सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; जनजातीय मामलों के मंत्रालय; आयुध निर्माणी, रक्षा मंत्रालय; सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स, डीआरडीओ; मेट्रो रेलवे, कोलकाता; एचएएल प्रबंधन अकादमी, बैंगलोर; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; आईसीएसएसआर; भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार; आईआईएससी, बैंगलोर; कर्नाटक सरकार; सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, कोरिया; नेटएप इंक यूएसए; माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया; हिताची इंडिया लिमिटेड, बैंगलोर; आईबीएम, यूएसए; सिस्को सिस्टम्स इंक; एफएपीईएसपी, ब्राजील; विकास पर्यावरण (ईएफडी) पहल; टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड; डु, दुबई; टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज इनोवेशन लैब्स; फिएट लिमिटेड, पुणे; मदर डेयरी फ्रूट्स और वेजिटेबल, दिल्ली; अल्ट्राटेक सीमेंट, गुलबर्गा, टाटा स्टील, जमशेदपुर; गुजरात सीमेंट वर्क्स, अमरेली, गुजरात; एशियाई पेंट्स लिमिटेड; बालासोर मिश्र धातु लिमिटेड, उड़ीसा; आईटीसी लिमिटेड; हेवलेट पैकर्ड; एयरबस इंडिया; टाइटन कंपनी लिमिटेड (आभूषण प्रभाग); ब्रेकस ।

13. <u>आयोजित सेमिनार,कार्यशाला,सम्मेलन,संगोष्ठी आदि</u>

वर्ष के दौरान संस्थान ने भारत एवं विदेशों के अग्रणी परिषत्सदस्यों/वैज्ञानिकों की सहभागिता से कई सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन, संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। उनमें से कुछ का उल्लेख नीचे किया जा रहा है :

- "पैटर्न विश्लेषण और अनुप्रयोगों" पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: कंप्यूटर विजन एवं प्रतिमान पहचान यूनिट, कोलकाता, 29 -31 जनवरी, 2018।

- पैटर्न पहचान और मशीन इंटेलिजेंस (PReMI'17) "पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: यंत्र आसूचना यूनिट, कोलकाता, दिसंबर, 05-08, 2017।

- पैटर्न पहचान में उन्नत, 2017 (आईसीएपीआर-2017) "पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : ईसीएसयू; एसएसआईयू और आर.सी. बोस क्रिप्टोलॉजी एवं सुरक्षा केंद्र द्वारा बंगलोर में आयोजित, 27-30 दिसंबर, 2017।

- "संघनित पदार्थ भौतिकी " पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: भौतिकी एवं अनुप्रयुक्त गणित यूनिट, कोलकाता, 14-16 नवंबर, 2017।

- "भारत जैव विविधता सम्मेलन -2018" पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: कृषि एवएएम पारिस्थितिक अनुसंधान यूनिट, कोलकाता, मार्च 15-17, 2018।

- "संचालन अनुसंधान और गेम सिद्धांत: मॉडलिंग और गणना" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: एसक्यूसी और ओआर, नई दिल्ली, जनवरी 09-11, 2018।

- "भूमि, श्रम और आजीविका पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मार्जिनलाइज्ड समुदायों और सामाजिक समूहों के विकास पर ध्यान केंद्रित करें": समाजवैज्ञानिक अनुसंधान यूनिट, गिरिडीह, 30 जनवरी, 2018।

- इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पॉपुलेशन (आईएएसपी), के सहयोग से जनसंख्या अध्ययन यूनिट, कोलकाता द्वारा "भारत के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में जनसंख्या और विकास" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 14-15 सितंबर, 2017 ।

- पूर्वी भारत में एक बदलते माहौल के तहत कृषि अनुसंधान "पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: कृषि एवं पारिस्थितिक अनुसंधान यूनिट, गिरिडीह, 17-18 जनवरी, 2018।

- 26-28 फरवरी, 2018 को कोलकाता के प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से, भौतिकी एवं अनुप्रयुक्त गणित यूनिट, कोलकाता के द्वारा "फ्रंटियर ऑफ स्टैटिस्टिक्स फिजिक्स" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

- जैविक और भौतिक प्रणालियों पर गणित और सांख्यिकी के अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी ": कृषि एवं पारिस्थितिक अनुसंधान यूनिट, कोलकाता, 12 दिसंबर, 2017।

- "अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों में हालिया विकास" (आईएसएस अधिकारियों के लिए) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: प्रतिचयन एवं साधिकारिक सांख्यिकी यूनिट, कोलकाता, में ओवरसीज लर्निंग कंपोनेंट सांख्यिकी, नीदरलैंड के सहयोग से, मार्च 19-23, 2018।

- "लोक आर्थिक" पर कार्यशाला: आर्थिक आयोजना यूनिट, दिल्ली, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से, 20-21 मार्च, 2018।

- "आर्थिक विकास और विकास" पर 13 वां वार्षिक सम्मेलन: आर्थिक आयोजना यूनिट, दिल्ली, दिसंबर 18-20, 2017।

- "राष्ट्रीय परिवर्तन के लिए वैज्ञानिक ढांचे" पर कार्यशाला: सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान यूनिट, कोलकाता, 16-18 जनवरी, 2018।

- "प्रमाणीकृत एन्क्रिप्शन में उन्नत" पर कार्यशाला: कूटलिपि एवं सुरक्षा अनुसंधान यूनिट, कोलकाता, राष्ट्रीय गणित पहल के सहयोग से, भारत, सितंबर 19 -22, 2017।

- "उन्नत डेटा विश्लेषण", पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान यूनिट, बैंगलोर, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा नवंबर 28-30, 2017 ।

- "ज्ञान प्रबंधन और पुस्तकालयों की भूमिका" पर कार्यशाला: पुस्तकालय यूनिट, उत्तर-पूर्व केंद्र, तेजपुर, 31 अक्टूबर, 2017।

- "बिजनेस फॉरकास्टिंग के लिए सांख्यिकीय तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण एवं संक्रियात्मक अनुसंधान यूनिट, मुंबई, 13-15 जुलाई, 2017।

14. संस्थान के प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पत्रिका *सांख्य* की,जो भारतीय सांख्यिकीय संस्थान का आधिकारिक प्रकाशन है, नींव प्रोफेसर पीसी महालनोबिस ने सन् 1932 में डाली और उनके संपादकत्व में इसका प्रकाशन प्रारंभ हुआ। इसमें केवल प्रोबैबिलिटी, गणितीय सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी संबंधी मूल शोध लेख प्रकाशित किए जाते हैं। उपर्युक्त क्षेत्रों में फिलहाल किए जा रहे शोध से संबंधित गतिविधियों पर जिन लेखों में समीक्षा और चर्चा होती है उन्हें भी इसमें प्रकाशित किया जाता है । *सांख्य* में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत लेखों को स्वीकार करने के पूर्व कड़ाई से सावधानीपूर्वक उनकी समीक्षा की जाती है । प्रोबैबिलिटी, सैद्धांतिक सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी से संबंधित कई मौलिक लेख *सांख्य* में प्रकाशित हुए हैं। यह पत्रिका दो अलग-अलग सिरीज - सिरीज 'ए' और सिरीज 'बी' में प्रकाशित की जाती है। *सांख्य* का 'ए' सिरीज प्रोबैबिलिटी और सैद्धांतिक सांख्यिकी को कवर करता है और प्रतिवर्ष इसके दो अंक-एक फरवरी और दूसरा अगस्त में- प्रकाशित किए जाते हैं। *सांख्य* का 'बी' सिरीज अनुप्रयुक्त और अंतर्विषयी सांख्यिकी को कवर करता है और इसके भी प्रतिवर्ष दो अंक - एक मई और दूसरा नवंबर में- प्रकाशित किए जाते हैं । वर्ष 2010 में ही स्प्रिंगर ने संस्थान के साथ एक सह-प्रकाशन करार किया है तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संस्करण दोनों में, पत्रिका के अंतर्राष्ट्रीय वितरण का विशेष अधिकार ले लिया है। संपादकीय प्रणाली अब पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक है यानी लेख प्रस्तुत करने से लेकर संपादकीय प्रसंस्करण और फिर लेख के लिए अंतिम संपादकीय निर्णय लिए जाने तक पूरी प्रक्रिया अब ऑन लाइन संपन्न की जाती है। स्प्रिंगर द्वारा संस्थान के सभी वैज्ञानिक कामगारों तक सांख्य का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण नि:शुल्क पहुँचाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। सांख्य के प्रत्येक संस्करण के लेखों तक निःशुल्क प्रवेश सांख्य की वेबसाइट (sankhya.isical.ac.in) के माध्यम से उपलब्ध है।

15. वैज्ञानिक लेख और प्रकाशन

वर्ष के दौरान लगभग 562 वैज्ञानिक लेख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।

16. विदेश में वैज्ञानिक कार्य

संस्थान के छिहत्तर वैज्ञानिकों ने या तो निमंत्रण पर या सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अधीन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलनों में भाग लेने के लिए विदेश स्थित कई देशों का दौरा किया । उनमें से अधिकांश ने सेमिनार और सम्मेलनों में वैज्ञानिक लेख प्रस्तुत किए और व्याख्यान दिए । भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के संकाय-सदस्यों ने जिन देशों का दौरा किया वे हैं- ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बेल्जियम, बर्लिन, ब्राजील, चिली, चीन, चेक गणराज्य, दुबई, एस्टोनिया, इथियोपिया, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इज़राइल, इटली, जापान, मोरक्को, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, नेपाल, पोलैंड, पुर्तगाल , रूस, कोरिया गणराज्य, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, स्लोवेनिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, थाईलैंड, ताइवान, ट्यूनीशिया, नीदरलैंड, यूके, यूएसए, उजबेकिस्तान, वियतनाम एवं अन्य।

17. अतिथि वैज्ञानिक

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बेल्जियम, ब्राजील, चेक गणराज्य, चीन, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, इज़राइल, इटली, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, पोलैंड, रूस, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, स्लोवेनिया, ताइवान, तुर्की, यूएसए, यूके और भारत से दो सौ पचहत्तर वैज्ञानिकों ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, सेमिनार आदि में उपस्थित होने तथा सहयोगात्मक अनुसंधान, शिक्षण और अन्य वैज्ञानिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए संस्थान का दौरा किया ।

18. भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के वैज्ञानिकों का सम्मान

संस्थान के शोधकर्ताओं द्वारा अनुसंधान का उच्च मानदंड और वैज्ञानिक उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए आभार एवं सम्मान स्वरूप कई संकाय-सदस्यों को भारत सरकार, आईईईई, आईएनएसए, डीएसटी, इन्फोसिस प्राइज़,आई सी टी पी, आदि जैसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संगठनों, निकायों द्वारा पुरस्कार, फेलोशिप प्रदान कर सम्मानित किया गया। कई संकाय-सदस्यों ने अमेरिका और यूरोप के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय समाजवैज्ञानिक अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी आदि में अतिथि वैज्ञानिक, मानद प्रोफेसर, अतिथि प्रोफेसर के रूप में सेवा प्रदान की । इसके अतिरिक्त, कई संकाय-सदस्यों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/निकायों द्वारा उनकी कई समितियों/संपादक मंडल आदि में अध्यक्ष, सदस्यगण, मुख्य संपादकगण, संपादकगण के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया । इनमें से वर्ष 2017-2018 के दौरान संकाय-सदस्यों द्वारा अर्जित कुछ सबसे उल्लेखनीय सम्मान का उल्लेख नीचे किया जा रहा है –

- एन गुप्ता को गणित में बी एम बिड़ला विज्ञान पुरस्कार, 2017 से सम्मानित किया गया ।
- आर. मुंशी को इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज 2017 का फेलो चुना गया और मैथमैटिकल साइंसेज, 2017 में इंफोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया;
- डी. योगेश्वरन को इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) द्वारा आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, 2017 एवं आईएएसए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार,2017 से सम्मानित किया गया ।
- एस. बंद्योपाध्याय को लक्ष्मीपत सिंघानिया-आईआईएम लखनऊ, 2017 द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यंग) में राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया ; आईआईटी, खड़गपुर, द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार 2017; इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान के लिए इंफोसिस पुरस्कार, 2017 और जे.सी. बोस फैलोशिप, डीएसटी द्वारा इंजीनियरिंग विज्ञान, भारत सरकार, 2017-22 ।
- आर.के. दे को फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फैलोशिप (फ्लेक्स अवॉर्ड), 2016- 2018 से सम्मानित किया गया ।

- ए. मुखोपाध्याय को मानद एसोसिएट रिसर्चर, सेंटर फॉर साइंस एंड ह्यूमैनिटीज, सीएनआरएस (फ्रांस) के रूप में चयन किया गया।
- एस. मित्रा को फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फैलोशिप (फ्लेक्स अवॉर्ड), 2018- 201 9 से सम्मानित किया गया है।
- डी. दत्ता रॉय को इंडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी, 2017 द्वारा अभिनव वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
- डी. मिश्रा को इंडियन इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी, 2018 द्वारा महालनोबिस मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।
- ए. घोष को कलकत्ता सांख्यिकी संघ (सीएसए), 2017 द्वारा बोस-नंदी युवा सांख्यिकीविद् पुरस्कार (प्रथम स्थान) से सम्मानित किया गया ।
- यू. भट्टाचार्य को सॉफ्ट कंप्यूटिंग समस्या समाधान, 2017 पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड और नेक्स्ट जेनरेशन कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज, 2017 पर आयोजित तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बेस्ट पेपर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया ।
- एच.सी. बेहरा को फेलो, रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ आयरलैंड और ग्रेट ब्रिटेन, 2017 के रूप में चयन किया गया एवं फेलो, रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, लंदन, 2017 के रूप में भी चयन किया गया।
- एस.के. पाल को आईईईई टेनेंट राइनो-बर्ड इंटरनेशनल एक्सपर्ट, 2017 के रूप में चुना गया ।
- एस. पाल अनुसंधान पूर्व छात्र स्ट्रेटजी अनुदान, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2018 के लिए चुना गया ।
- एम. स्वामीनाथन को गैर-आधिकारिक निदेशक, राष्ट्रीयकृत बोर्ड बोर्ड, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नियुक्त किया गया।
- डी.पी. मुखर्जी को पश्चिम बंगाल अकादमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 2017 के फेलो का चयन किया गया।
- के. दास को पश्चिम बंगाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एकेडमी, 2018 द्वारा एसोसिएट फेलो चुना गया।
- वी. के. रामचंद्रन को केरल राज्य योजना बोर्ड, त्रिवेंद्रम का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

****